मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 19 जुलाई 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	20/07/19	21/07/19	22/07/19	23/07/19	24/07/19
वर्षा (मि.मी.)	0	2	1	0	1
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	38	39	39	38	40
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	30	30	31	30	31
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	4	3	2	4
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	62	61	61	60	61
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	20	19	19	20	20
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	14	16	17	19	22
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		वर्षा न होने की स्थिति में फसलों में मृदा नमी संरक्षित रखने के लिए मृदा सतह पर घास फूस व पॉलिथीन आदि की पलवार का उपयोग करें।
कपास		कपास की फसल में हरा तेला कीट के नियंत्रण हेतु एसीफेट 75 एस.पी. 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
टमाटर	वानस्पतिक	टमाटर में पर्णकुंचन या मोजेक रोग के प्रकोप से पौधों के पत्ते सिकुड़ कर मुड जाते है। इसके नियंत्रण के लिए डाईमिथोएट 30 ई.सी. का एक मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
मूंगफली	वानस्पतिक	मूंगफली मे लीफ माइनर का प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉ बन जाती हैं। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर।
भिण्डी	वानस्पतिक	भिण्डी की फसल में पीतशीरा मोजेक वायरस रोग के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.3–0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से प्रथम छिडकाव बुवाई के 20–25 दिन बाद करें।

(नौडल ऑफीसर)